

अडैप्टेशन गैप रपिपोर्ट, 2023

प्रलिस के लयि:

[संयुक्त राषट्र \(UN\)](#), [अडैप्टेशन गैप रपिपोर्ट](#), [संयुक्त राषट्र परयावरण कार्यक्रम \(UNEP\)](#), [राषट्रीय स्तर पर नरिधारति योगदान \(NDC\)](#), [वशिव बैंक \(WB\)](#), [अंतरराषट्रीय मुद्रा कोष \(IMF\)](#)

मेन्स के लयि:

जलवायु परविरतन के प्रति अनुकूलनशीलता को बढ़ावा देने के लयि जलवायु वतितपोषण में सुधार की तत्काल आवश्यकता

[स्रोत: इडयिन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यौं?

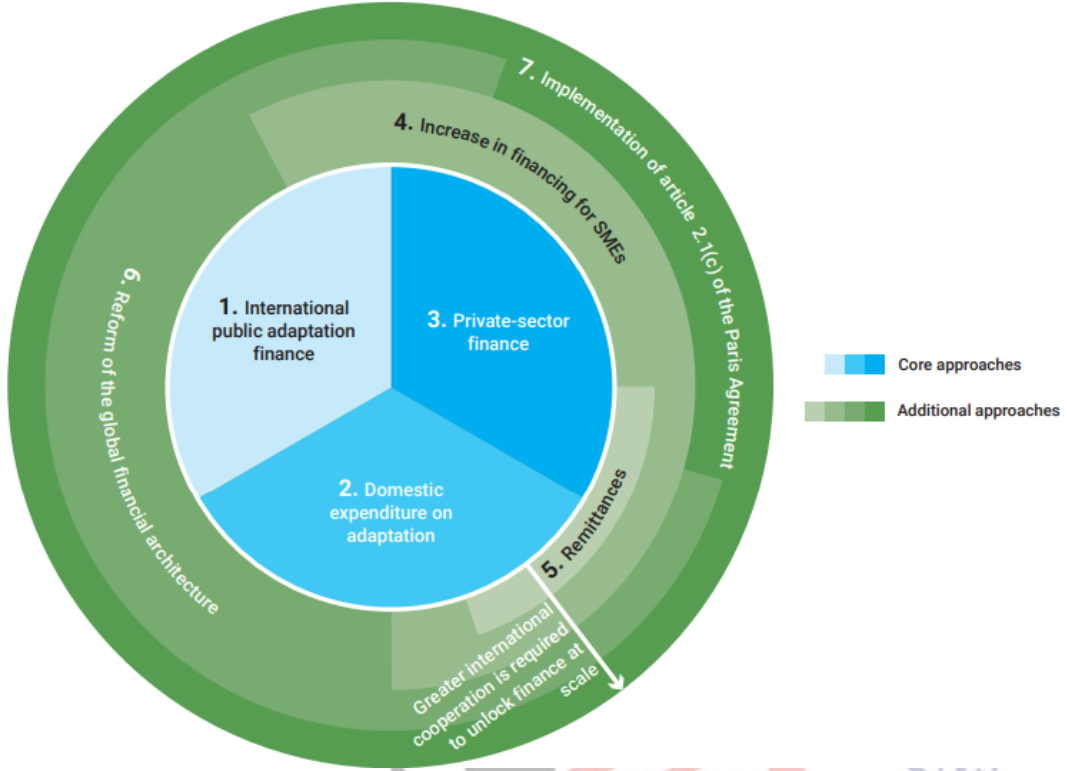
[संयुक्त राषट्र परयावरण कार्यक्रम](#) द्वारा जारी [अडैप्टेशन गैप रपिपोर्ट, 2023](#) के नवीनतम संस्करण के अनुसार, वकिसशील देशों को सारथक अनुकूलन कार्यों हेतु इस दशक में **प्रत्येक वर्ष कम से कम 215 बलियिन अमेरिकी डॉलर** की आवश्यकता है। वर्ष 2021 में अनुकूलन परयोजनाओं के लयि वकिसशील देशों को **लगभग 21 बलियिन अमेरिकी डॉलर** दयि गए, जो वगित वर्षों की तुलना में लगभग 15% कम था।

- इस वर्ष की रपिपोर्ट **अनुकूलन** अथवा अनुकूलन परयोजनाओं को पूरा करने के लयि धन की उपलब्धता पर केंद्रति है।

रपिपोर्ट की मुख्य वशैषताएँ:

- **अनुकूलन वतित अंतर:**
 - अनुकूलन वतित अंतर का आशय अनुमानति अनुकूलन वतितपोषण आवश्यकताओं तथा लागत व वतित प्रवाह के बीच के अंतर से है जो समय के साथ और बढ़ गया है।
 - अनुकूलन अंतर के वर्तमान अंतरराषट्रीय अनुकूलन वतित प्रवाह से **10-18 गुना अधिक होने की संभावना है जो वगित अनुमानों की तुलना में लगभग 50% अधिक है।**
 - वर्तमान अनुकूलन वतित अंतर अब **प्रतविर्ष 194-366 बलियिन अमेरिकी डॉलर** होने का अनुमान है।
- **वतितपोषण के लयि लैंगकि समानता:**
 - अनुकूलन के लयि अंतरराषट्रीय सार्वजनकि वतितपोषण का केवल 2%, जसिमें लैंगकि समानता को प्राथमकि लक्ष्य के रूप में सूचीबद्ध कयिा गया है, का मूल्यांकन **लैंगकि रूप से उत्तरदायी** के रूप में कयिा गया है, शेष 24% या तो लयि-वशिषिट अथवा एकीकृत है।
- **वतितपोषण बढ़ाने हेतु सात उपाय:**
 - **नजिी वतितपोषण:**
 - **घरेलू व्यय एवं नजिी वतितपोषण** संभावति रूप से अनुकूलन वतित के महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं, घरेलू बजट कई वकिसशील देशों में अनुकूलन के लयि वतितपोषण का एक बड़ा स्रोत हो सकता है, जो सरकारी बजट के **0.2% से लेकर 5% तक हो सकता है।**
 - समग्र वशिव में जल, भोजन व कृषि; परविहन एवं बुनयिादी ढाँचा; पर्यटन जैसे अधकिांश क्षेत्रों में नजिी क्षेत्र के अनुकूलन हस्तक्षेप में वृद्धि हुई है।
 - **आंतरकि नविश:**
 - बड़ी कंपनयिों द्वारा 'आंतरकि नविश', वतित्तीय संस्थानों द्वारा अनुकूलन में योगदान देने वाली गतविधियिों के लयि वतित का प्रावधान और कंपनयिों द्वारा अनुकूलन वस्तुओं एवं सेवाओं के प्रावधान की बहुत आवश्यकता है।
 - इसके अलावा भारत में जलवायु वतितपोषण और अनुकूलन लक्ष्यों को प्राप्त करने के **लयिकॉरपोरेट सामाजकि उत्तरदायतिव** के वकिल्प भी तलाशे जा सकते हैं।
 - **वैश्वकि वतित्तीय ढाँचे का सुधार:**
 - रपिपोर्ट में **वैश्वकि वतित्तीय ढाँचे** में सुधार का आहवान कयिा गया है, ताकि बहुपक्षीय एजेंसयिों **वशिव बैंक** या **अंतरराषट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** से जलवायु-संबंधी उद्देश्यों हेतु वतित की अधिक और आसान पहुँच सुनिश्चति की जा सके, क्यौंकि यह स्पष्ट हो गया है कि **अंतरराषट्रीय वतित्तीय प्रवाह का मौजूदा स्तर** जलवायु परविरतन से निपटने के लयि पर्याप्त नहीं है।

Figure ES.5 Seven ways to bridge the adaptation finance gap



//

विकासशील देशों के लिये जलवायु वित्तपोषण संबंधी चर्चाएँ:

- विकासशील देशों की सीमिति क्षमता:
 - जीवन, आजीविका और पारस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिये अनुकूलन आवश्यक है, विशेष रूप से सीमिति लचीलेपन वाले विकासशील तथा आर्थिक रूप से कमजोर देशों में, क्योंकि इनके पास जलवायु परिवर्तन के चल रहे प्रभावों को न्यंत्रित करने के लिये कोई तत्काल समाधान नहीं है। इन अनुकूलन उपायों के लिये पर्याप्त जलवायु वित्तपोषण की आवश्यकता होती है।
- विकासशील देशों द्वारा अनुकूलन उपायों की व्यवहार्यता:
 - देश अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर विभिन्न अनुकूलन उपाय करते हैं जिनमें समुद्र तटीय क्षेत्रों को सुदृढ़ करना, द्वीपीय राष्ट्रों में समुद्री अवरोधों का निर्माण करना, उष्ण प्रतरोधी फसलों के साथ प्रयोग करना, जलवायु-लचीला बुनियादी ढाँचे का निर्माण करना, जल स्रोतों को सुरक्षित करना और स्थानीय आबादी को बढ़ते तापमान तथा उनके दुष्परिणाम से बेहतर ढंग से निपटने में मदद करने के लिये इसी तरह के प्रयास शामिल हैं।
 - लेकिन ये अनुकूलन उपाय सरकारों की बजटीय पहुँच से परे वित्तीय दायित्व थोपते हैं।
- विकसित देशों की ओर से सक्रियता का अभाव:
 - अंतरराष्ट्रीय जलवायु समझौतों के अनुसार, विकसित देश जलवायु परिवर्तन के अनुकूल विकासशील देशों के समर्थन हेतु वित्तीय सहायता और प्रौद्योगिकी प्रदान करने के लिये बाध्य हैं।
 - विकसित देश विभिन्न सम्मेलनों और संधियों के बावजूद अपेक्षित धन जुटाने में वफिल रहे हैं।
- आवश्यकता से कम नधि की उपलब्धता:
 - अधिकांश विकासशील देशों ने अपनी अनुकूलन आवश्यकताओं को अपनी जलवायु कार्य योजनाओं में सूचीबद्ध किया है, जिन्हें [राष्ट्रीय स्तर पर नरिधारित योगदान \(NDC\)](#) कहा जाता है, जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में हर देश के योगदान का दस्तावेज़ीकरण करना चाहते हैं।

विकसित देशों द्वारा प्रयास:

- 100 बलियन अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य:
 - विकसित देशों ने वर्ष 2009 में ही वादा किया था कि वर्ष 2020 से प्रत्येक वर्ष जलवायु वित्त से कम से कम 100 बलियन अमेरिकी डॉलर जुटाएँगे, लेकिन समय सीमा के तीन वर्ष बाद भी, वह राशि प्राप्त नहीं हुई है।
- UNFCCC प्लेटफार्म:
 - वर्तमान में अनुकूलन तथा अन्य सभी प्रकार की जलवायु आवश्यकताओं के लिये वित्त प्रवाह को बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं, जिसे [जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क अभिसमय \(UNFCCC\)](#) के माध्यम से जलवायु वित्त कहा जाता है।

- लेकिन जलवायु वृत्ति की आवश्यकता आसमान छू रही है और अब प्रत्येक वर्ष ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है।
- ग्लासगो जलवायु सम्मेलन:
 - वर्ष 2021 में ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में वकिसति देशों ने अनुकूलन के लिये अनुमोदित राशिको दोगुना करने की प्रतबिद्धता जताई थी।
 - इसके अतरिकित एक अन्य समझौता यह भी है कि वर्ष 2025 तक प्रत्येक वर्ष 100 बलियन अमरीकी डॉलर से अधिक का एक नया जलवायु वृत्तिपोषण लक्ष्य नरिधारति कया जाएगा।
- नया सामूहिक परमाणिति लक्ष्य:
 - वर्ष 2025 तक अनुकूलन वृत्ति को दोगुना करना और वर्ष 2030 के लिये नया सामूहिक परमाणिति लक्ष्य जिस पर अभी वचिर चल रहा है, वकिसशील देशों की सहायता से जलवायु वृत्ति अंतर को कम करने में सहायक होगा।

जलवायु वृत्तिपोषण:

- परचिय:
 - यह स्थानीय, राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय वृत्तिपोषण को संदरभति करता है जिसका उददेश्य जलवायु परविरतन अनुकूलन और शमन पहल को बढावा देना है। यह सार्वजनिक, नजी या वृत्तिपोषण के वैकल्पिक स्रोतों से एकत्रति कया जा सकता है।
 - यह शमन और अनुकूलन कार्यों का समर्थन करना चाहता है जो जलवायु परविरतन को संबोधति करेंगे।
- साझा कति वभिदति उत्तरदायतिव (Common But Differentiated Responsibility- CBDR):
 - UNFCCC, क्योटो प्रोटोकॉल और पेरसि समझौते में अधिक वृत्तीय संसाधनों (वकिसति देशों) वाले देशों से उन देशों को वृत्तीय सहायता देने का आहवान कया गया है जो कम संपन्न तथा अधिक असुरक्षति (वकिसशील देश) हैं।
 - यह CBDR के सिद्धांत के अनुरूप है।
- कॉन्फरेंस ऑफ पारटीज़-26 (COP 26):
 - UNFCCC, COP26 में जलवायु परविरतन के प्रभावों को अपनाने के वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करने में वकिसशील देशों का समर्थन करने के लिये नई वृत्तीय प्रतजिजाएँ की गईं।
 - COP26 में सहमत अंतरराष्ट्रीय कार्बन व्यापार तंत्र के नए नयिम अनुकूलन वृत्तिपोषण का समर्थन करेंगे।
- जलवायु परविरतन पर अंतर सरकारी पैनल (IPCC), 2018:
 - जलवायु परविरतन से उत्पन्न मुद्दों से नपिटने और पृथ्वी के औसत तापमान में वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक सतरों से 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे सीमति करने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु जलवायु वृत्ति महत्त्वपूर्ण है, जैसा कि IPCC रिपोर्ट 2018 में कहा गया था।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न.वर्ष 2015 में पेरसि में UNFCCC बैठक में हुए समझौते के संदरभ में नमिनलखिति कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2016)

1. समझौते पर संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों द्वारा हस्ताक्षर कयि गए थे और यह वर्ष 2017 में लागू हुआ था।
2. समझौते का उददेश्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को सीमति करना है ताकि इस सदी के अंत तक औसत वैश्विक तापमान में वृद्धि पूर्व-औद्योगिक सतरों से 2°C या 1.5°C से अधिक न हो।
3. वकिसति देशों ने ग्लोबल वार्मिंग में अपनी ऐतहासिक ज़मिमेदारी को स्वीकार कया और वकिसशील देशों को जलवायु परविरतन से नपिटने में मदद करने हेतु वर्ष 2020 से सालाना 1000 अरब डॉलर की मदद के लिये प्रतबिद्ध हैं।

नमिनलखिति कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: b

प्रश्न. "मोमेंटम फॉर चेंज: क्लाइमेट न्यूट्रल नाउ" यह पहल कसिके द्वारा शुरू की गई थी? (2018)

- (a) जलवायु परविरतन पर अंतर सरकारी पैनल
- (b) UNEP सचवालय
- (c) UNFCCC सचवालय
- (d) वशिव मौसम वजिज्ञान संगठन

उत्तर: (c)

??????:

प्रश्न. संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (UNFCCC) के पक्षकारों के सम्मेलन (COP) के 26वें सत्र के प्रमुख परिणामों का वर्णन कीजिये। इस सम्मेलन में भारत द्वारा की गई प्रतिबद्धताएँ क्या हैं? (2021)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/adaptation-gap-report,-2023>

